विमला की डायरी के पन्ने

(डायरी-लेखन)

4

6 जुलाई, 20_____

आज एक *अजीब*-सी घटना हुई। मैं कमरे में बैठकर अपना गृहकार्य कर रही थी। तभी दरवाजे की घंटी बजी। मैंने उठकर दरवाजा खोला, तो देखा कि सीमा आंटी अपनी दस वर्षीय बेटी मधु के साथ घर काम करने आई हैं। मैं *पुनः* अपना गृहकार्य करने लगी। मधु भी मेरे पास ही बैठ गई। तभी माँ ने मुझे नाश्ते के लिए बुलाया। मैंने जल्दी से नाश्ता किया और वापस आई, तो देखा मधु बड़ी खुश होकर मेरी किताबें देख रही थीं, मैंने उससे कुछ नहीं कहा और चुपचाप अपना गृहकार्य पूरा करने लगी।

7 जुलाई, 20_____

आज फिर मधु अपनी माँ के साथ काम करने आई। मन में विचार आया कि देखूँ आज वह क्या करेगी? थोड़ी देर बाद जब मैं उस कमरे में गई तो देखा मधु मेरे बस्ते में से किताब निकालकर बड़े *उत्साह* से पन्ने पलट रही थी। मैं चुपचाप कमरें में गई। मुझे सामने देखते ही उसके होश उड़ गए। बोली- "दीदीऽऽ... मैं ... मैं तो बस ऐसे ही देख...।" मैंने उससे प्यार से कहा- "मधु , डरो मत। कोई बात नहीं। मैं तुम्हें नहीं डाँटूगी। पर तुम्हें पढ़ना आता है?"

उसकी आँखें मानों बुझ-सी गईं। मुझे उसके बिना कुछ कहे ही उत्तर मिल गया था।

"स्कूल में पढ़ोगी?"– मैंने फिर पूछा। सुनते ही मधु की आँखों में चमक आ गई परंतु अगले ही *क्षण* गायब भी हो गई।

'माँ के साथ काम कौन कराएगा? घर का खर्चा कैसे चलेगा?"– उसने कहा।

तभी मधु की माँ ने आवाज लगाई और वह चुपचाप उनके साथ चली गई। मैं बहुत देर तक वहीं खड़ी रही। मेरे मन में बहुत-से सवाल उठने लगे। क्या मधु को हमारी तरह शिक्षा पाने का अधिकार नहीं है? क्या उसे बचपन में खेलने का अधिकार नहीं है? क्या उसे अपनी मर्जी के काम करने का अधिकार नहीं है?

8 जुलाई, 20_____

आज मैं बड़ी *बेसब्री* से मधु की *प्रतीक्षा* कर रही थी। जैसे ही मधु आई, मैंने उससे फिर पूछा– "मधु, यदि तुम्हारी माँ तुम्हें स्कूल भेजने के लिए तैयार हो जाए, तो क्या तुम स्कूल जाओगी?"

मधु की आँखें फिर चमक उठी थीं। बोली– " हाँ, हाँ, दीदी मैं खूब पढ़ूँगी। पर माँ को कौन समझाएगा?"

इतने में मधु की माँ ने आवाज लगाई– "मधु, जरा जल्दी काम कर ले, घर जाकर तुझे खाना भी बनाना है।"

"अच्छा माँ"– कहकर मधु फिर जल्दी-जल्दी काम करने लगी।

मैं सुनकर *अचंभित* रह गई थी। जहाँ इस उम्र में हम सब खुश होकर स्कूल जाते हैं, वहीं मधु खुशी-खुशी बिना किसी *शिकायत* के सभी जिम्मेदारियों का बोझ उठाने को तैयार थी। पर मैंने भी मन में निश्चय कर लिया था कि किसी भी तरह मधु को शिक्षा का अधिकार दिलवाकर रहूँगी।

9 जुलाई, 20_____

आज सुबह-सुबह ही मैंने अपना पाठ याद कर लिया। फिर मधु और उसकी माँ के आने का इंतजार करने लगी। पर आज मधु नहीं आई।

मेरा मन कुछ उदास हो गया। मुझे अचानक चुप देखकर माँ ने मेरी उदासी का कारण पूछा। मैंने माँ को सारी बात बता दी। माँ ने कहा कि वे स्वयं मधु की माँ से बात करेंगी। माँ की बात सुनकर मेरे मन में उम्मीद की किरण जागी।

10 जुलाई, 20_____

आज सुबह मधु अपनी माँ के साथ आई। वह जल्दी-जल्दी काम करने लगी। माँ ने मधु माँ से पूछा– "सीमा, तुम मधु को स्कूल क्यों नहीं भेजतीं?"

उसने हँसकर कहा– "बीबीजी, मधु यदि स्कूल चली जाएगी तो मेरे साथ काम कौन करेगा? घर का खर्चा कैसे चलेगा? वैसे भी लड़कियों को पढ़ाने से क्या फायदा? लड़कियाँ तो *पराया* धन होती हैं। उनसे हमारा वंश तो चलेगा नहीं।" माँ ने उसे समझाते हुए कहा– "नहीं, सीमा तुम गलत सोच रही हो। ऐसा बिल्कुल नहीं है। बेटियाँ भी उतनी प्यारी होती हैं जितने कि बेटे। बेटियाँ पढ़ाई करने के साथ-साथ घर का काम आदि भी सहज भाव से पूरा करती हैं।"

"पर बीबीजी, इसे पढ़ाकर फायदा क्या है...कुछ सालों में शादी करके चली जाएगी।"- मधु की माँ उदास होकर बोली।

"तो क्या हुआ? अगर पढ़ना-लिखना सीख जाएगी तो अपने परिवार को भी अच्छी तरह सँभाल पाएगी और बच्चों को अच्छे संस्कार दे पाएगी।" – माँ ने उसे समझाते हुए कहा।

मधु की माँ कुछ सोचकर बोली –"बीबीजी, लेकिन लड़कियों और औरतों का काम तो केवल घर के काम में मदद करना ही है और पढ़ाई-लिखाई का काम लड़कों का।" माँ ने फिर कहा– "नहीं, नहीं सीमा तुम गलत सोच रही हो। आज के समय में लड़का-लड़की सब एक समान हैं। मदर टेरेसा, इंदिरा गाँधी, रानी लक्ष्मीबाई, कल्पना चावला और सरोजिनी नायडू भी तो महिलाएँ थीं जिन्होंने देश के लिए सब कुछ *न्योछावर* कर दिया। अब तो हमारे देश के *सर्वोच्च* पद पर राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती प्रतिभा पाटिल भी रह चुकी हैं। फिर लड़के-लड़कियों में यह *भेदभाव* क्यों?"

सरकार ने तो दोनों को समान अधिकार दिए हैं फिर तुम मधु से उसका बचपन क्यों छीन रही हो? उसे भी तो सब बच्चों की तरह खेलने-कूदने और बाहर घूमने का पूरा अधिकार है। आज तो लड़कियाँ हर क्षेत्र में लड़कों से आगे निकल गई हैं– डॉक्टर हो या इंजीनियर, शिक्षक हो या मंत्री उसने हर क्षेत्र की चुनौती को बखूबी पूरा किया है।

तुम मधु को स्कूल भेजो। जब वह पढ़-लिखकर कुछ बन जाएगी तो तुम्हारा नाम रोशन करेगी।"

मधु की माँ बोली– "पर बीबीजी, इसकी पढ़ाई के लिए पैसे कहाँ से लाऊँगी?"

माँ ने कहा–"तुम इसकी चिंता मत करो। हम इसकी पढ़ाई का पूरा खर्चा उठाएँगे। तुम बस इसे स्कूल भेजने के लिए 'हाँ' कह दो।"

"ठीक है, जैसी आपकी मर्जी।" –मधु की माँ मुस्कुराकर बोली।

माँ के 'हाँ' कहते ही मधु को तो मानों खुशी का खजाना ही मिल गया। उसके पैर अब जमीन पर नहीं पड़ रहे थे।

आज मुझे अपने *प्रयास* पर बहुत खुशी हो रही है। मुझे पूरा यकीन है कि मधु पढ़-लिखकर घर का नाम रोशन करेगी। साथ ही आशा करती हूँ कि आने वाली पीढ़ी भी मधु की माँ की तरह इस गलती को नहीं दोहराएगी। मैं आज निश्चिंत होकर सो सकूँगी।

शब्द-अर्थ

अजीब — अनोखा *(strange)*,
उत्साह — जोश *(enthusiasm)*,
बेसब्री — बेताबी *(impatience)*,
अचंभित — हैरान *(surprised)*,
पराया — दूसरा *(belonging to others)*,
न्योछावर — बलिदान करना *(to sacrifice)*,
प्रयास — कोशिश *(efforts, attempt)*,
पुनः — दोबारा *(again)*,
क्षण — पल *(moment)*,
प्रतीक्षा — इंतजार *(wait)*,
शिकायत — शिकवा *(complain)*,
सर्वोच्च — सबसे ऊँचा *(highest position)*,
भेदभाव — अंतर *(discrimination)*,
निश्चिंत — बेफिक्र *(relaxed)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

गृहकार्य	बेसब्री	प्रतीक्षा	अचंभित	उम्मीद	संस्कार
न्योछावर	सर्वोच्च	राष्ट्रपति	इंजीनियर	निश्चिंत	डॉक्टर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मधु कौन थी?

(ख) मधु को कौन-कौन से काम करने पड़ते थे?

(ग) हमारे देश की पहली महिला राष्ट्रपति कौन थी?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) मधु कितने वर्ष की थी?

☐ दस वर्ष ☐ आठ वर्ष ☐ बारह वर्ष

(ख) इंदिरा गांधी कौन थीं?

☐ राष्ट्रपति ☐ प्रधानमंत्री ☐ मुख्यमंत्री

(ग) माँ ने पढ़ने-लिखने का क्या लाभ बताया?

☐ परिवार को अच्छी तरह सँभाल पाएगी।
☐ लड़कों से आगे निकल जाएगी।
☐ पैसे कमाना सीख जाएगी।

2. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) विमला अपने कमरे में बैठकर गृहकार्य कर रही थी। ☐

(ख) मधु विमला की डायरी देख रही थी। ☐

(ग) विमला शांतिपूर्वक मधु की प्रतीक्षा कर रही थी। ☐

(घ) विमला मधु के कारण उदास थी। ☐

(ङ) पढ़ने-लिखने के अनेक लाभ होते हैं। ☐

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मधु की माँ मधु को स्कूल क्यों नहीं भेजना चाहती थी?

(ख) विमला क्या सुनकर अचंभित रह गई?

(ग) पढ़ने-लिखने के क्या-क्या लाभ हैं?

(घ) 'आज तो लड़कियाँ हर क्षेत्र में लड़कों से आगे निकल गई हैं।' –इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द वर्ग-पहेली में से ढूँढ़कर लिखिए–

अ	स	मा	न	नु
ना	प्र	अ	प	क
धि	श	शि	रा	सा
का	न	क्षा	या	न
र	ग	वि	दे	श
नि	रा	शा	क	ख

उत्तर - ..... देश - .....

शिक्षा - ..... समान - .....

अपना - ..... आशा - .....

अधिकार - ..... फायदा - .....

2. सही शब्द चुनकर खाली जगह भरिए–

(क) मैं बहुत देर तक वहीं ..... रहा। (खड़ी/खढ़ी)

(ख) मुझे सामने देखते ही उसके होश ..... गए। (उढ़/उड़)

(ग) हम इसकी ..... का पूरा खर्चा उठाएँगे। (पढ़ाई/पढाई)

(घ) ..... तो पराया धन होती हैं। (लडकियाँ/लड़कियाँ)

3. दिए गए शब्दों के लिंग बताइए–

(क) घटना - ..... (ख) उम्मीद - .....

(ग) किताब - ..... (घ) स्कूल - .....

(ङ) कमरा - ..... (च) परिवार - .....

(छ) घर - ..... (ज) शिक्षा - .....

4. नीचे दिए शब्दों के संज्ञा-भेद लिखिए–

शब्द	संज्ञा-भेद	शब्द	संज्ञा-भेद
(क) देश	.....	(ख) घर	.....
(ग) पढ़ाई	.....	(घ) खुशी	.....
(ङ) लड़की	.....	(च) राष्ट्रपति	.....
(छ) मदर टेरेसा	.....	(ज) इंदिरा गांधी	.....

5. नीचे दिए गए शब्दों से नए-नए शब्द बनाइए–

(क) धन -	धनी	धनवान	निर्धन
(ख) डर -	.....	.....	.....
(ग) देश -	.....	.....	.....
(घ) आशा -	.....	.....	.....

क्रियात्मक गतिविधि

- तुम्हारे घर के आस-पास भी कुछ ऐसे लोग होंगे जो शिक्षा से वंचित हैं। उन्हें अक्षर ज्ञान कराने का प्रयास कीजिए।